

कोमल पुं. 1. आनंद, प्रसन्नता 2. कृपा 3. अनुग्रह 4. पश्चिम दिशा के दिग्गज 5. कर्म मास या सावन की आठवीं तिथि 6. अस्त्रों को निष्फल करने का एक संहारक अस्त्र 7. जायफल।

सौमनस्य वि. (तत्.) आनंद देने वाला, प्रसन्न करने वाला पुं. 1. आनंद, प्रसन्नता 2. आपस में होने वाला सद्भाव 3. किसी विषय की सुबोधता 4. श्राद्ध में पुरोहित या ब्राह्मण के हाथ में फूल देना।

सौमायन पुं. (तत्.) सोम अर्थात् चंद्रमा के पुत्र बुध।

सौमिक वि. (तत्.) 1. सोम रस से किया जाने वाला यज्ञ 2. सोम यज्ञ संबंधी 3. चंद्रमा संबंधी lunar

सौमिकी स्त्री. (तत्.) 1. यज्ञ के समय सोम का रस निचोड़ने की क्रिया 2. एक प्रकार का यज्ञ जिसे दक्षिणीयेष्टि भी कहते हैं।

सौमित्तिका स्त्री. (तत्.) 1. पालकी, रथ आदि के ऊपर उन्हें ढकने के लिए डाला जाने वाला कपड़ा, ओहार 2. घोड़े, हाथी आदि की पीठ पर डाला जाने वाला कपड़ा, झूल।

सौमित्र वि. (तत्.) सुमित्रा-संबंधी, सुमित्रा का पुं. 1. सुमित्रा के पुत्र लक्ष्मण 2. दोस्ती, मित्रता।

सौमित्रि पुं. (तत्.) सुमित्रा के पुत्र, लक्ष्मण।

सौमित्रीय वि. (तत्.) लक्ष्मण संबंधी।

सौमिलिक पुं. (तत्.) बौद्ध भिक्षुओं का एक प्रकार का दंड जिसमें रेशम का गुच्छा लगा रहता है।

सौमी स्त्री. (तद्.) सौम्यी, चाँदनी।

सौमुख्य पुं. (तत्.) 1. चित्त की प्रसन्न अवस्था, सुमुखता 2. प्रसन्नता।

सौमंद्र वि. (तत्.) सोम और इंद्र संबंधी।

सौमेधिक वि. (तत्.) 1. सुमेधा से युक्त 2. दिव्य ज्ञान संबंधी, जिसे दिव्य ज्ञान हो पुं. सिद्ध पुरुष।

सौमेरु वि. (तत्.) सुमेरु संबंधी, सुमेरु का।

सौमेरुक पुं. (तत्.) 1. सोना 2. सुवर्ण।

सौम्य वि. (तत्.) 1. चंद्रमा-संबंधी 2. सोम (देवता) 3. सोम लता संबंधी 4. सुंदर 5. कोमल 6. स्निग्ध 7. विनम्र और शांत स्वभाव वाला 8. प्रसन्न 9. शुभ, मांगलिक 10. सज्जन, सुशीलता पुं. 1. चंद्रमा का पुत्र, बुध 2. सोमयज्ञ 3. उपासक 4. मृगशिरा नक्षत्र 5. मार्गशीर्ष मास, अगहन महीना 6. बायाँ हाथ 7. बायीं आँख 8. आनंद आदि 9. मुहूर्तों में से पाँचवा।

सौम्य-कृच्छ्र पुं. (तत्.) एक प्रकार का व्रत जिसमें पाँच दिन क्रम से खली (पिण्याक) भात, मट्ठे, जल और सत्तू पर रहकर छठे दिन उपवास करना पड़ता है।

सौम्य गंधा स्त्री. (तत्.) सेवती।

सौम्य गोल पुं. (तत्.) उत्तरी गोलादर्ध।

सौम्य ग्रह पुं. (तत्.) 1. पाप ग्रहों से भिन्न ग्रह 2. शुभ ग्रह 3. चंद्र, बुध, बृहस्पति और शुक्र ग्रहों में से प्रत्येक।

सौम्य ज्वर पुं. (तत्.) एक प्रकार का ज्वर जिसमें कभी शरीर गरम हो जाता है और कभी ठंडा।

सौम्यता स्त्री. (तत्.) 1. सौम्य होने का गुण, अवस्था, भाव 2. विनम्रता, शांतता, कोमलता, सुशीलता, सुंदरता, स्निग्धता, प्रसन्नता, शुभत्व।

सौम्यत्व पुं. (तत्.) सौम्यता।

सौम्य दर्शन वि. (तत्.) 1. जो देखने में सुंदर हो 2. प्रियदर्शन।

सौम्यवार पुं. (तत्.) बुधवार।

सौम्यविज्ञान पुं. (तत्.) वह विज्ञान जिसमें औषध के काम के लिए जीवों के रक्त से सौम्य बनाने का विवेचन होता है।

सौम्य शिखा पुं. (तत्.) काव्य. एक विषम वर्णिक छंद जिसके पहले दल के दोनों चरणों में से 8-8 गुरु वर्ण और दूसरे दल के दोनों चरणों में 16-16 लघुवर्ण होते हैं, अनंगक्रीड़ा छंद।